Subject – Sociology
Topic – Association
Study Material for – MDC, SEMESTER-I

समिति की अवधारणा
Concept of Association

समिति, ऐसे सामाजिक समूह हैं, जो स्पष्ट रूप से निर्धारित सामान्य हितों (common interests) की प्राप्ति से संबन्धित होते हैं।

आदिम समाजों, जहां श्रम-विभाजन के अभाव एवं परिवर्तन की धीमी गति के कारण, आयु-समूह, लिंग समूह, नातेदारी समूह जैसी अविशेषीकृत समितियों का अस्तित्व था, की तुलना में वर्तमान आधुनिक जटिल समाजों में अनेक विशेषीकृत समितियों की विद्यमानता पायी जाती है।

विभिन्न विद्वानों ने, समितियों द्वारा प्राप्त की जानेवाली हितों की प्रकृति के आधार पर समितियों के अग्रांकित प्रकार बताये हैं:–

समितियों के प्रकार

I. अविशेषीकृत हितों की प्राप्ति से सम्बंधित समितियां

उदाहरण के लिए, वर्ग एवं जाति आधारित संगठन, नागरिक कल्याण समिति, सरल समाजों में विद्यमान आयु-समूह, लिंग समूह ~~आदि~~ व पितृसत्तात्मक परिवार आदि।

II. विशेषीकृत हितों की प्राप्ति से संबंधित समितियां

अ. द्वितीयक या उपयोगितावादी प्रकृति के हितों की प्राप्ति से संबंधित

- [आर्थिक हित] (उद्योग संघ, कृषि संघ, विभिन्न व्यावसायिक संघ आदि।
- [राजनीतिक हित] राज्य व इसके विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयां, राजनीतिक दल आदि।
- [तकनीकी हित] तकनीकी शोध से संबंधित समितियां

मध्यवर्ती हित या शैक्षिक हित

↓

विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय आदि

प्राथमिक या सांस्कृतिक हित

- सामाजिक सम्पर्क ~~संबंधी हित~~ के ~~पूर्ति~~ उद्देश्य से संबंधित जैसे - क्लब आदि।
- स्वास्थ्य या मनोरंजन के उद्देश्य से निर्मित जैसे - खेल, नृत्य या जिम्नास्ट आदि से संबंधित समितियां।
- कामेच्छा संतुष्टि व प्रजनन के उद्देश्य से निर्मित (परिवार)
- धार्मिक उद्देश्य से संबंधित जैसे - चर्च, मठ व विभिन्न धर्म प्रचारक समितियां
- सौंदर्यबोध जैसे सांस्कृतिक मूल्यों से संबंधित (जैसे - कला, साहित्य संगीत से जुड़ी समितियां
- विज्ञान व दर्शन के उद्देश्य से जुड़ी (बौद्धिक समितियां)